चुनिए अपना
टेस्ट पैकेज

Fertikind Complete

AMH, LH, FSH, Prolactin, Estradiol, Testosterone Free & Total, TSH

Fertikind Total

AMH, LH, FSH, Prolactin

अधिक जानकारी के लिए
अपने डॉक्टर से संपर्क करें

Path Kind Labs

NATIONAL REFERENCE LAB
PATHKIND DIAGNOSTICS PVT. LTD.
55-56, Udyog Vihar Sector 18,
Maruti industrial Estate, Gurugram – 122015
E-Mail : customercare@pathkindlabs.com
Website : www.pathkindlabs.com

From the promoters of Mankind

प्रजनन क्षमता में कमी

सही जांच | सही दाम | सही समय

Issued in Public Interest by:

Path Kind Labs

जांच सही तो इलाज सही

प्रजनन क्षमता में कमी

प्रजनन क्षमता में कमी जिसे कई लोग बन्ध्यापन तथा अनुर्वरता के नाम से भी जानते हैं। प्रजनन क्षमता में कमी से जुड़े कुछ अहम सवाल जैसे की:–

- **प्रजनन क्षमता में कमी क्या हैं?**
- **प्रजनन क्षमता में कमी के क्या कारण हैं?**
- **प्रजनन क्षमता में कमी के क्या लक्षण हैं?**

प्रजनन क्षमता में कमी क्या हैं?

अगर कोई कपल गर्भनिरोधक और कंडोम के इस्तेमाल के बिना कम से कम एक साल या इससे भी अधिक समय तक शारीरिक सम्बन्ध बना रहे हो और उसके बाद भी संतान सुख से वंचित रह रहे हो तो उन महिला या पुरुष दोनों में से किसी एक के साथ इनफर्टिलिटी (प्रजनन क्षमता में कमी) की समस्या हो सकती है।

स्त्रियों में प्रजनन क्षमता में कमी के कारण

स्त्रियों में प्रजनन क्षमता में कमी के कई कारण हो सकते हैं जो की कई स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित हो सकती है, जैसे कि :–

- श्रोणि सूजन की बीमारी
- गर्भाशय फाइब्रॉएड
- एनीमिया
- थायराइड की समस्याएं
- अवरुद्ध फैलोपियन ट्यूबज
- कैंडिडा और यौन संचारित रोग (एसटीडी)
- अधिक मदिरा–सेवन, धुम्रपान
- आयु (35 वर्ष से अधिक)
- मोटापा
- अत्यधिक–तनाव
- अनियमित एवं दर्दपूर्ण माहवारी की समस्या
- पोषण–रहित भोजन या फिर अत्यधिक शारीरिक–प्रशिक्षण

स्त्रियों में प्रजनन क्षमता में कमी के लक्षण

- 21 दिन से कम समय के अंतराल में पीरियड्स आना।
- पीरियड्स के दौरान 2 दिन से भी कम समय तक ब्लीडिंग होना।
- पीरियड्स के बीच में ब्लीडिंग होना जिसे स्पौटिंग भी कहते हैं।
- मासिकचक्र में पीरियड्स न आना।
- पीरियड्स 35 दिन के अंतराल से अधिक समय में आना।
- मासिकचक्र के दौरान अत्यधिक ब्लीडिंग होना।
- त्वचा में परिवर्तन आ जाना, जिस में अत्यधिक मुंहासे होना सम्मिलित है।
- सैक्स करने की इच्छा में परिवर्तन आ जाना।
- होंठों, छाती और ठुड्डी पर बालों का विकास।
- बालों का झड़ना या पतला होना।
- वजन बढ़ना।
- निप्पल से दूध जैसा सफेद डिस्चार्ज निकलना, जो स्तनपान से संबंधित नहीं होता है।
- सैक्स के दौरान दर्द होना।

प्रजनन क्षमता में कमी के परिक्षण टेस्ट / इनफर्टिलिटी टेस्ट

एक महिला की प्रजनन क्षमता में कमी के मूल्यांकन में, स्वास्थ्य देखभाल या डॉक्टर प्रदाता निम्नलिखित का प्रयोगशाला परीक्षण और मूल्यांकन करता है:

- एएमएच (AMH), एफएसएच (FSH), प्रोजेस्टेरोन (Progesterone) अन्य हार्मोन LH, Estradiol, Testoster one, TSH
- एएमएच (AMH), अंडा उत्पादन को उत्तेजित करता है और एस्ट्रैडॉल नामक हार्मोन बनाता है।
- एएमएच (AMH), केवल अंडाशय (ovary) के कूप (follicles) में पैदा होता है, इसलिए रक्त में एएमएच के स्तर से बढ़ते कूप (follicles) की उपस्थिति का संकेत मिलता है।
- एएमएच (AMH) और एफएसएच (FSH) के स्तर की रक्त में मात्रा से एक महिला की शेष अंडे की आपूर्ति की मात्रा निर्धारित करने में मदद मिल सकती है।
- उच्च एफएसएच (FSH) स्तर का मतलब यह हो सकता है कि एक महिला में डिम्बग्रंथि की विफलता (ovarian failure) है या महिला perimenopause या रजोनिवृत्ति में है।
- FSH का निम्न स्तर मतलब हो सकता है कि एक महिला ने अंडे का उत्पादन बंद कर दिया है।
- महिला के मासिक धर्म चक्र के 23 दिन के आसपास रक्त परीक्षण कर प्रोजेस्टेरोन नामक हार्मोन की मात्रा को माप सकता है। यह परीक्षण बता सकता है कि क्या ovulation हुआ है और क्या अंडाशय इस हार्मोन की सामान्य मात्रा का उत्पादन कर रहे हैं।